Now, where do we draw the line ? I am sure the House will appreciate the plight of the Department of Revenue. You know, we have got to strike a delicate balance between these to points. Ultimately, it is a question of value judgment of the officer concerned. We assure this House that keeping in mind the overall policy of the Government, we would see to it that harassment to passegers is minimised and we would also keep a sharp eye on smuggling of goods into the country. We would like to prevent and contain smuggling. So, within the parameters of this policy, constructive suggestion is welcome.

SHRI XAVIER ARAKAL : To-day, the Customs officials at the airport in Trivandrum are a demoralized lot. I had the opportunity to go to Trivandrum; and there, they met me with a note, saying that they are demoralized on many counts. As I understand it, nearly 50% of the staff is going to be transferred. The names of many of them have been recommended for award for meritorious services rendered. They have detected many smuggled items, and arrested many persons smuggling things. Where is the Minister going to draw the line objectively ? On the one side, the Department as a whole is demoralized. At the same time, the passengers are also facing the difficulties which my hon. friends have pointed out.

So, may I know from the hon. Minister what he is proposing to do regarding these two rather riddles ? viz. demoralized staff of the Customs Department, as well as frustrated, disappointed, harassed passengers there ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : Sir, I do not agree with this at all. Transfer is a regular policy of Government; and because of transfer, nobody should feel demoralized. It is no use speaking in general terms. If there is any specific case, let him send it to me.

विमान में बिना टिकट यात्रा

*841. **श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री** :†
श्री त्रिलोक चन्द्र :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 22 मार्च, 1984 के "नवभारत टाइम्स" में "विमान में भी बिना टिकट यात्रा" शीर्षक के अन्तर्गत हवाई यात्रा में अनियमितताओं के सम्बन्ध में छपे समाचार की ओर आकर्षित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस अनियमितता के लिए दोषी पाए गए व्यक्तियों का विवरण क्या है तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस प्रकार की गलतियों और अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो, उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) क्या सरकार भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं को रोकने के लिए इण्डियन एयरलाइन्स के अध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगेगी और क्या तत्सम्बन्धी ब्यौरा सभा पटल पर रखा जाएगा ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHEED ALAM KHAN) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

The clarification offered by Shri Billimoria, Chairman, Indian Airlines, in brief, is as follows :

Shri Billimoria had asked his Private Secretary to get two tickets in the name of Mrs. Saklat (Shri Billimoria's mother-in-law) and Miss Saklat (Shri Billimoria's

sister-in-law) by IC-401 of July 16, 1983. The Private Secretary had accordingly blocked two seats in the Booking Office of Indian Airlines at Kanchanjunga Building.

On 16th July, 1983, Shri Billimoria accompanied Mrs. Saklat and Miss Saklat to the airport. On reaching the airport it was found that the tickets had not been delivered by the Private Secretary. Shri Billimoria presumed that the tickets had actually been purchased but had not been handed over to the passengers. On this erroneous assumption, and in order to see that the old lady, who was not keeping well, was not but to any inconvenience, their predicament was brought to the notice of Shri Ramesh Ghakhar, Airport Manager. This officer, as a matter of courtesy, permitted them to proceed on the journey after issue of the Boarding Cards, on the understanding that the tickets would be sent to him subsequently.

It was, however, subsequently brought to the notice of Shri Billimoria that the tickets had not actually been purchased and soon after getting this information Shri Billimoria arranged for the purchase of tickets on July, 21, 1983 on payment.

The clarification offered by Shri Billimoria has been considered. As there was no malafide intention on the part of Shri Billimoria and since the concerned officer of Indian Airlines acted in good faith, no action is contemplated.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने आज विवरण सभा पटल पर रखा है, उसमें आप देखें कि यह इतने बड़े स्कैंडल का मामला है और मंत्री जी ने इस पर ऐसे अच्छे ढंग ले लीपा-पोती की है कि बात समझ में नहीं आती है।

मैं इस सन्दर्भ में कहना चाहूंगा कि 16 जुलाई को इण्डियन एयरलाइन्स के चेयरमैन श्री बिलिमोरिया अपनी सास तथा अपनी साली को लेकर हवाई अड्डे पर पहुंचे और उन्होंने उन दोनों को बैठा दिया। बैठाने के बाद जब उनको पता चला कि उनका टिकट नहीं है और उन्होंने कहा कि हमको पता चला है कि हमारे प्राइवेट सैक्रेटरी ने टिकट घर पर छोड़ दिए हैं। मेरी समझ में यह नहीं आता कि जब उनको पता चला, आपने कहा है कि हवाई अड्डे पर पहुंचने पर यह पाया गया कि निजी सचिव ने टिकट डिलीवर नहीं किए थे। श्री बिलिमोरिया ने यह अनुमान लगाया कि टिकट वास्तव में खरीद लिए गए थे परन्तु यात्रियों को दिए नहीं गए थे, तो ये लोग जहाज तक कैसे पहुंचे ? इनको बोर्डिंग कार्ड कैसे मिला ?

जब उनके टिकट नहीं खरीदे गए थे तो ऐसे उच्च अधिकारी ने तुरन्त टिकट क्यों नहीं खरीदे ? जब उनको मालूम था कि टिकट नहीं हैं तो उनको दोबारा टिकट खरीदने में क्या आपत्ति थी ? अगर पहले के टिकट होते तो एक के पैसे बाद में वापिस भी हो सकते थे ?

मेरा स्पष्ट आरोप है और मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या श्री बिलिमोरिया जी की नियत इसमें यह नहीं थी कि उनकी पत्नी और उनकी लड़की के नाम से रिजर्वेशन न हो ? अगर उनकी पत्नी और लड़की के नाम से रिजर्वेशन था तो उनकी सास और उनकी साली ने इसमें कैसे यात्रा की ?

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : In the first instance, I would like to make it very clear to the hon. Member that there is no scandal, as he says, about it. It is a very simple matter. Mr. Billimoria had asked his P.A. to purchage two tickets for his mother-in-law and sister-in-law; but, unfortunately, those tickets were not available at the airport. Therefore, he brought this to the notice of the Manager of the airport; and the Manager of the airport taking it as a matter of negligence on the part of the P.A. to the Chairman of the IAC, who failed to deliver the ticket, issued the boarding cards, and once boarding cards are issued,

then the security is done on the basis of boarding cards and not on the basis of tickets.

(व्यवधान)

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : क्या इस उत्तर से हाउस संतुष्ट है ? खुले आम डकैती की जा रही है ।···(व्यवधान)···

अध्यक्ष महोदय : आप थोड़ा संयम से प्रश्न पूछिए। मेरा ख्याल है कि बात क्लीयर हो जाएगी । इतनी टेढ़ी बात नहीं है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : राही जी आप बैठ जाइए । मैंने आपको एलाउ नहीं किया है। आप बैठ जाइए । आप सवाल पूछिए। सवाल इतना ही है कि यह कोई गाड़ी नहीं है कि आदमी बिना चेक किए हुए चला जाए । हर चीज चैक होकर जाती है। जो कुछ हुआ है आपको हिसाब से बतायेंगे । ऐसी कोई चिन्ता की बात नहीं है। यह बात छिपायी नहीं जा सकती है ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : मेरे पहले अनुपूरक प्रश्न का उत्तर माननीय मंत्री जी ने कम्पलीट नहीं दिया है । आप मेरे संरक्षक हैं, आप उन से पूरा उत्तर दिलवायें, तब मैं उनसे दूसरा सवाल पूछूंगा ।

अध्यक्ष महोदय : आप कोई और स्पष्टीकरण दे दीजिए ।

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : The statement clearly mentions what happened; and there is hardly any further explanation needed. I have full faith in the integrity and the credibility of the Chairman of the IAC.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने फिर भुलावे वाला उत्तर दे दिया, यह तो इनका काम ही है । हाउस के सामने बात आ गई है । मेरा दूसरा अनुपूरक प्रश्न है । 17 जुलाई को यह यात्रा की गई । इस यात्रा में सीट का रिजर्वेशन इण्डियन एयरलाइन्स के चेयरमैन की पत्नी और उनकी लड़की के नाम से था । इसके बाद जब वे दिल्ली आ गए, तो चैकिंग के दौरान वहां के अधिकारियों को पता चला, तो उन्होंने बिलिमोरिया जी को पत्र लिखा । लेकिन माननीय मंत्री जी के उत्तर में लिखा है कि बिलिमोरिया जी के ध्यान में यह बात लाई गई कि वास्तव में टिकट नहीं खरीदा गया था और फिर लिखा है कि कई दिन के बाद टिकट खरीद लिया गया । 952 रु० 20 तारीख को यानि चार दिन के बाद टिकट खरीदा गया । इस उत्तर से स्पष्ट है कि जब वे यात्रा करने के लिए एरोड्रम पर आए तभी उनको पता चला कि बिलिमोरिया जी के सचिव ने टिकट खरीदा, लेकिन कहीं रख दिया गया । सचिव टिकट खरीद चुके थे, बिलिमोरिया जी ऐसे उच्च अधिकारी हैं, उन को तुरन्त एयरपोर्ट पर सूचना देनी चाहिए थी कि हमारा टिकट वहां पर रह गया है । चार दिन के बाद टिकट खरीदने का क्या मतलब था ? रिजर्वेशन अपनी पत्नी और बेटी के नाम से कराकर अपनी सास और साली के नाम पर यात्रा करने का क्या मतलब था ? मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं—वे स्पष्टीकरण दें ?

श्री मनीराम बागड़ी : साली की जो छुट्टी होनी चाहिए ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : एक सवाल और क्या यह यात्रा प्रसिद्ध सिनेमा अभिनेत्री पदमिनी कोल्हापुरे के साथ नहीं की गई थी ? क्या यह यात्रा बीस दिन पहले पदमिनी कोल्हापुरे और श्री बिलिमोरिया की साली के साथ तय नहीं की गई थी कि हम दोनों पिता जी के टिकटों के रिजर्वेशन पर यात्रा करेंगे ?

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : Sir, I have no information about Padmini

Kolhapure or any other person. The only information that I have is that these tickets were purchased on 20th August. But unfortunately due to the mistake on the part of the P.A. or Secretary of the I.A.C. Chairman there was some communication gap and they could not be produced at the time of departure. This is also...

(Interruptions)

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : यह कैसे हो गया, आप ने जांच क्यों नहीं करवाया ? वह अधिकारी गलत हुआ या नहीं ?

अध्यक्ष महोदय : ठहरिये, मैं एक सवाल पूछता हूं—क्या बिल्लिमोरिया जी को स्वयं जब यह जानकारी हुई कि टिकट नहीं हैं, तो टिकट खरीद लिए या उनको याद दिलाया गया कि आपने टिकट नहीं खरीदा है, इसलिये टिकट खरीदिये।

श्री खुर्शीद आलम खां : जब उनको यह मालूम हुआ कि टिकट नहीं लिये हैं तो उन्होंने 1892 रुपये फौरन भेज दिये ताकि टिकट खरीद लिये जांय।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : Whether he did *suo motr* or was he reminded 'आपने खरोदे नहीं हैं ?' उनको खुद पता लगा या दफ्तर ने कहा कि तुम्हारे पास टिकट नहीं हैं, तुम टिकट खरीदो ?

श्री खुर्शीद आलम खां : उनको दफ्तर में यह कहा गया कि टिकट नहीं आये हैं, तब उन को मालूम हुआ कि उनका पी० ए० टिकट नहीं ले सका था और उन्होंने 1892 रुपये भेज दिये।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है। ये गलत जवाब दे रहे हैं···

(व्यवधान)

इनके जवाब के पहली लाइन में इनका यह कहना है कि हवाई अड्डे पहुंचने पर···

SHRI SATISH AGARWAL : In reply to the first supplementary the Minister answered that because the tickets were purchased, but were not brought to the airport, the boarding cards were issued. Boarding cards can never be issued without the tickets. How were the boarding cards issued ? If the reservation was in the name of his wife and daughter, then the tickets are not transferrable. It is mentioned on the air ticket.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, जो उत्तर इन्होंने हाउस के सभा-पटल पर रखा है, मैं उसको एक मिनट में पढ़ दूं—आप पहले उसको सुन लें। उससे सारी बात स्पष्ट हो जाएगी। उसमें इन्होंने लिखा है कि बिल्लिमोरिया जी ने अपने सचिव से कहा···

श्री मनीराम बागड़ी : यह सब तो उसमें दिया हुआ है।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : इन्होंने जो उत्तर दिया है उसमें दो बातें हैं। एक बात तो यह है कि हवाई अड्डे पर जब श्री बिल्लिमोरिया अपने उन दोनों रिश्तेदारों को लेकर पहुंचते हैं तब उन को बोर्डिंग-कार्ड ईशू नहीं होता। इसलिये तभी उनको मालूम हो जाता है कि उनके पास टिकट नहीं है। उसके बाद वहां के अधिकारी ने सहानुभूति में आकर, जैसा मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है—उनको बोर्डिंग कार्ड जारी कर दिया। हम मंत्री जी की इस सहानुभूति की बात को भी मान लेते हैं कि उन्होंने बोर्डिंग कार्ड जारी कर दिया, क्योंकि वह बूढ़ी औरत थीं। लेकिन बिल्लिमोरिया जी को चाहिए था, वे इतने उच्च पद पर थे, कि तुरन्त अपने प्राइवेट सेक्रेटरी से टिकट मंगवा लेते, जिससे उनको तुरन्त मालूम हो जाता कि टिकट नहीं खरीदे गए हैं। आपने जवाब के दूसरे अंश में कहा है कि उसके चार

दिन बाद उनको मालूम हुआ या उनके ध्यान में लाया गया कि टिकट नहीं खरीदे गए हैं और तब उन्होंने 952 रुपए भेजकर टिकट खरीदवाए। यहां पर दो बातें हैं—एक तो हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनको मालूम हो रहा है कि टिकट नहीं हैं, दूसरी तरफ मंत्री जी कह रहे हैं कि चार दिन के बाद उन्होंने टिकट खरीदा —यह क्या बात है ? इसके बाद वे कह रहे हैं कि वह अधिकारी बिलकुल निर्दोष था, उसका स्पष्टीकरण पाकर हम सन्तुष्ट हुए और उसको माफ कर दिया। मंत्री जी ने जो तथ्य दिए हैं उनसे मेरा स्पष्ट आरोप हैं कि मंत्री जी की खुद उसमें मिलीभगत है, उस अधिकारी से आप मिले हुए हैं···

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : I strongly refute the allegation that I was involved in any way.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : आप एक करप्ट अधिकारी को प्रोटेक्शन दे रहे हैं। हमें आपकी निष्ठा पर शंका नहीं है।

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : The first thing is that the journey was performed on 16th July and not on 17th of July and because the Indian Airlines offices were closed for the week-end, therefore, two or three days delay in between for ascertaining whether the tickets had been purchased....(*Interruptions*)

श्री त्रिलोक चन्द्र : अध्यक्ष महोदय, सवाल तो क्लीयर हो गया लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं और माननीय मंत्री जी से इसका स्पष्टीकरण चाहता हूं कि अगर कोई गड़बड़ घोटाला नहीं है, कोई बात नहीं है, तो एक बात तो उन्होंने जोड़ दी। और बिलिमोरिया जी की नीयत में कोई फर्क नहीं है लेकिन उनकी नीयत में फर्क है, यह साफ जाहिर होता है जब उन्होंने प्राइवेट सेक्रेटरी को भी इसमें जोड़ दिया और यह कह दिया कि उससे कहा था कि टिकट ले लेना। यह ठीक है। हो सकता है कि उन्होंने प्राइवेट सेक्रेटरी को टिकट के लिए कहा हो, मैं इस बात को मना नहीं करता, लेकिन अगर टिकट को कहा होता, तो टिकट ले लिया गया होता क्योंकि प्राइवेट सेक्रेटरी की हिम्मत नहीं हो सकती थी कि वह टिकट न खरीदे। मैं एक बात और कहता हूं कि मान लीजिए कि टिकट खरीदा नहीं गया और अकेले प्राइवेट सेक्रेटरी की अगर गलती होती, तो मैं यह कहता हूं कि जब बिलिमोरिया अपनी साली और अपनी सास को छोड़ने गए और टिकट उनके पास नहीं था, तो यह पद का दुरुपयोग हुआ कि बिना टिकट के उनको बोर्डिंग कार्ड इशू कर दिया गया। मैं जानना चाहता हूं कि इस संबंध में नियम क्या हैं। आप मिनिस्टर हैं और मैं एम० पी० हूं और जब हम एयरपोर्ट पर जाते हैं, तो चैकिंग होती है, बाकायदा टिकट इशू होता है और बिलिमोरिया साहब क्योंकि चैयरमैन हैं, इसलिए न उनका कोई चैकिंग हुआ, न उनका नाम पूछा गया, न कोई पता पूछा गया और इसके अलावा ऐज का भी फर्क होगा। मैं नहीं जानता कि कितना ऐज में फर्क होगा लेकिन कम से कम सास और पत्नी में 20-25 साल का फर्क तो होगा ही लेकिन जो सुरक्षा अधिकारी था, उसने इस चीज को भी नहीं देखा क्योंकि वह उनकी साली और सास थी। इसलिए कोई चैकिंग नहीं हुई। मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में नियम क्या हैं और इनके बारे में मंत्री जी बताएं। प्राइवेट सेक्रेटरी की कोई गलती नहीं है और उसको बेकार फंसाया जा रहा है। यह साफ जाहिर है कि बिलिमोरिया की नीयत क्या थी। उनके दबाव में आकर कर्मचारीगण कुछ नहीं कहेंगे और अपनी सास और साली को बिना टिकट यात्रा कराने की उनकी नीयत थी और उन्होंने यात्रा कराई और बाद में जब बात खुल गई, तो अब आप गोलमोल जवाब दे रहे

हैं और आप कह रहे हैं कि वे निर्दोष हैं। वे निर्दोष हैं, यह आप जानें लेकिन मैं कहता हूं कि जनता इस बात को नहीं बक्शेगी और यह जनता का ही सवाल नहीं है, यह मुल्क के अनुशासन का सवाल है। अगर ऐसा होता रहा, तो कोई अनुशासन नहीं रहेगा। इन सब बातों का मैं स्पष्टीकरण चाहता हूं और आप यह बताएं कि नियम क्या हैं ?

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : I do not think there can be any doubt about the IAC Chairman that he wanted to send his relations free of cost in the aircraft. (*Interruptions*)

श्री त्रिलोक चन्द्र : आप नियम बताइए। बोर्डिंग कार्ड इशू होने के क्या नियम हैं, यह आप बताइए।...(**व्यवधान**)...

अध्यक्ष महोदय : नियम क्या है, उन की वजाहत कर दीजिए।

श्री खुर्शीद आलम खां : नियम तो सब जानते हैं।...(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : अब सब एक साथ बोलेंगे, तो जवाब कैसे देंगे।

श्री खुर्शीद आलम खां : नियम तो यह है और सब जानते हैं कि एक घंटा पहले टिकट लेकर जाते हैं और उसके बाद बोर्डिंग कार्ड मिलता है लेकिन स्टेटमेंट में यह कहा गया है कि क्योंकि उनके टिकट वहां पर नहीं थे और यह ख्याल था कि टिकट रह गए हैं, इसलिए आफिसर ने बोर्डिंग कार्ड दे दिए।

(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : अगर आप सारे बोलेंगे तो कैसे बात बनेगी ?

(**व्यवधान**)

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Let me ask one question, Sir.

MR. SPEAKER : Let him first answer to one question. He has asked him about the rules, so let him first say what are the rules.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Reply is not to the point, Sir.

श्री राम लाल राही : क्या नियमों के विरुद्ध भी चला जा सकता है ?

(**व्यवधान**)

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Sir, I would like to ask the hon. Minister whether there are rules in the IAC that boarding cards can be issued without tickets being produced ? If there are rules, what are the provisions and if there are no such rules, how the boarding cards were issued and who violated the rules ? If there has been the violation of rules, is the Minister going to take action against the persons who have violated the rules ? Secondly, whether a person can travel in the seat reserved in the name of another person ? If he cannot do it, then what actions are taken against such passengers ? If there has been the violation of rules, what actions do you propose to take against the IAC Chairman however highest post he may be holding ?

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : Sir, as the hon. Member has said, it is correct that the boarding card is issued after the presentation of the ticket, but as I said in the beginning, these boarding cards were issued on the presumption that the tickets had been purchased and will be handed over....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Why cannot you sit silently ? Let him finish first, then you can put another question. He is explaining certain things....(*Interruptions*)

SHRI KHURSHEED ALAM KHAN : But as the hon. Member has suggested, I will again look into this matter and see whether there have been some mistakes on the part of some persons.

MR. SPEAKER : The consensus on this is that you have to enquire whether the rules were contravened, whether he could do it or anybody else could do it, if nobody else could do it, then how he could do it, then take appropriate action and then come before the House.

Opening of Branches of Lead Banks in Community Development Block Headquarters

*843. PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Government have a proposal for opening atleast one Branch of Lead Bank of District at each of C.D. Block Headquarters, so as to ensure successful implementation of 20 Point Programme is general and IRD, NREP. and self-employment to unemployed young Matriculates in particular;

(b) if so, whether Reserve Bank of India proposes to initiate immediate steps in this regard and ensure that all Block Headquarters in a District have District Lead banks branches within 1984-85, before launching Seventh Five Year Plan;

(c) if not, whether Reserve Bank would accept responsibility for making "Block level Planning" and its implementation a success and ensure that Lead Banks are made primarily responsible for supply of credit to those identified as eligible for getting loans for each C.D. Block in Seventh Five Year Plan; and

(d) if so, nature of strategy evolved in this regard ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINSTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY) : (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

The main role of Lead Banks relates to the formulation and implementation of District Credit Planes/Annual Action Plans for development of the districts in their charge and by co-ordinating efforts of financial institutions and Government functionaries in the district.

All the financial institutions operating in the district participate in various developmental programmes including the 20-Points Programme. Lead Banks are not solely responsible for supply of credit for these programmes; which responsibility is shared by all banks in the district including Co-operative Banks and Regional Rural Banks on a mutually agreed basis.

It is not considered necessary that the concerned lead banks should have offices at all the block headquarters. However, keeping in view the pivotal nature of block headquarters, in schemes of developmental administration, it is being ensured that as far as possible banking facilities are made available at all the block headquarters.

District Credit Plan is a document in which the credit requirements for implementation of various schemes under the free main sectors viz., Agriculture & Allied Activities, Industries and Tertiary Sectors are assessed. It consists of technically feasible and economically viable schemes for financing production and investment by banks within the present and proposed infrastructural and other facilities. The total credit outlay in the District Credit Plan is disaggregated blockwise and indicated in the Plan. Within the existing limitations, District Credit Plans give due emphasis to blockwise planning in accordance with the objectives of the National Plan.

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : Sir, from the statement it appears that the spirit of the question has not been taken into account. The District Credit Plan is prepared by the Lead Bank of the district in consultation with other banks and other district authorities. The point that I wanted to emphasise is that since we are in the process of accepting and launching the Block level planning, it is important that the banks play a key role in this process. For the successful implementation of the various programmes it is necessary that the lead banks should